न्यूज़ लेटर
उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो

मई-2020

अन्दर के पृष्ठों पर.....

- उपलब्धियाँ
- सराहनीय कार्य
- आगामी गतिविधियाँ
- कल्याणकारी कार्य

आदेश, गोष्ठी एवं भ्रमण

तकनीकी स्तम्भ

विविध

अपर पुलिस महानिदेशक, दूरसंचार द्वारा पुलिस संचार के आधुनिकीकरण की समीक्षा

• दिनांक 08.04.2020 : श्री सुनील कुमार गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक, दूरसंचार, उ0प्र0 द्वारा, पुलिस आधुनिकीकरण योजना के अन्तर्गत पुलिस दूरसंचार उपकरणों की स्वीकृति हेतु उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो मुख्यालय, लखनऊ द्वारा पुलिस मुख्यालय, उत्तर प्रदेश के माध्यम से उत्तर प्रदेश शासन को भेजे गये पंचवर्षीय प्रस्ताव की समी की गयी। बैठक में उत्तर प्रदेश शासन स्तर पर चयनित एवं भारत सरकार को स्वीकृति/सहमति हेतु भेजे, जाने वाले सभी संचार उपकरणों के औचित्य एवं आवश्यकता पर गहन विचार–विमर्श किया गया। प्रश्नगत प्रस्ताव में उत्तर प्रदेश पुलिस की भावी आवश्यकताओं के दृष्टिगत संचार उपकरण एवं उनकी सहवर्ती उपकर्मिकायें तथा पुलिस बल की संच व्यवस्था को आधुनिक बनाने हेतु उपकरण सम्मिलित किये गये हैं। इन उपकरणों में मुख्य रूप से डिज़ीटल तकनीक आधारित वायरलेस सेट तथा उनकी उपकर्मिकायें तथा द्रुत गति से साइफर/डि–साइफर हेतु क्रिप्टोग्राफिक मशीन सम्मिलित हैं।

• बैठक में प्रतिस्थापना के अन्तर्गत पुलिस संचार आवश्यकताओं पर भी विचार– विमर्श किया गया। प्रतिस्थापना संचार उपकरणों तथा उनकी उपकर्मिकाओं के क्रय हेतु आवश्यक तैयारी करने तथा इन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त प्राविधानित धनराशि के अन्तर्गत प्रस्ताव भेजे जाने के सम्बन्ध में तैयारी के साथ अलग बैठक कर विस्तृत विचार–विमर्श करने का निर्णय लिया गया।

• बैठक में समस्त उप महानिरीक्षक (पुलिस दूरसंचार), राज्य रेडियो अधिकारीगण एवं सहायक रेडियो अधिकारी, प्राविधिक उपस्थित रहे। कोविड–19 के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशों एवं सामाजिक दूरी के सम्बन्ध में प्रदत्त नीति–निर्देशों का पालन बैठक के दौरान किया गया।

सराहनीय कार्य

- दिनांक 18–19.03.2020: जनपद अमरोहा के देहात क्षेत्र में अतरासी पुल के पास एक काले रंग की संदिग्ध एण्डेवर कार की तलाशी की सूचना पुलिस अधीक्षक, अमरोहा द्वारा ड्यूटीरत सहायक परिचालक/1384, विनीत कुमार शर्मा को दी गयी। प्राप्त सूचना पर उक्त विनीत कुमार शर्मा द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सर्वसम्बन्धित को सूचित कर उक्त कार को पकड़वाने के प्रयास किये गये। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर तत्परता से गम्भीरतापूर्वक प्रयास/लगन के लिए उक्त परिचालक को पुलिस अधीक्षक, अमरोहा द्वारा रु0 500.00 का नकद पुरस्कार स्वीकृत किया गया।

पुलिस मुख्यालय, उ0प्र0 के आदेश/निर्देश

- अपर पुलिस महानिदेशक, लॉजिस्टिक्स के पत्र संख्याः लाजि0–कोरोना (कोविड–19)/2020 दिनांक 27.04.2020 द्वारा परिवहन शाखा के अधिकारियों/कर्मचारियों के हॉट स्पाट आदि स्थानों के नियमित भ्रमण पर रहने की स्थिति में, कोविड–19 के परिप्रेक्ष्य, में पत्र में दिये गये निर्देशों का पालन कराये जाने हेतु प्रभारी मोटर परिवहन शाखा, समस्त जनपद/वाहिनी एवं इकाई, उ0प्र0 को निर्देशित किया गया है।
- पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के पत्र संख्याः डीजी–आठ–93 (03)2020–5 दिनांक 20.04.2020 द्वारा कोविड–19 की रोकथाम हेतु अग्रिम पंक्ति में कार्यरत पुलिस कर्मियों की स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विषयक दिये गये दिशा–निर्देश सम्बन्धी कार्यवाही/अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु समस्त पुलिस आयुक्त तथा समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश को निर्देशित किया गया है।
- अपर पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था के पत्र संख्याः डीजी–आठ–93 (03)2020–48 दिनांक 12.04.2020 द्वारा भारत सरकार के "आरोग्य सेतु" एप को उत्तर प्रदेश पुलिस कर्मियों द्वारा डाउनलोड करके कोविड–19 से बचाव विषयक दिशा–निर्देश दिये गये हैं।

उ0प्र0 पुलिस रेडियो मुख्यालय के आदेश/निर्देश

- राज्य रेडियो अधिकारी, प्रशासन के आदेश संख्याः एम–176/20(मिसलेनियस) दिनांक 29.04.2020 के माध्यम से, भारत सरकार द्वारा "Cyber Security on Ransomware attack" के सम्बन्ध में अंग्रेजी एवं हिन्दी में जारी Advisory की प्रति, अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएँ के परिपत्र संख्याः टीएससी–20/2007 दिनांक 24.04.2020 द्वारा प्राप्त होने के क्रम में Advisory में दिये गये दिशा–निर्देशों के अनुसार विण्डोज़ सिस्टम की Cyber Security सुनिश्चित कराये जाने हेतु व्यवस्थागत निर्देश पारित किये गये हैं।
- अपर पुलिस महानिदेशक, दूरसंचार के पत्र संख्याः 2091–बी–87–2019 दिनांक 24.04.2020 द्वारा अनुदान संख्या–51 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020–2021 हेतु लेखा शीर्षक 2245–प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत–05–स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फण्ड–800–अन्य व्यय–06–स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फण्ड से व्यय–10–स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फण्ड से व्यय के अन्तर्गत मानक मद–42–अन्य व्यय में आवंटित अनुदान के उपभोग के सम्बन्ध में राज्य रेडियो अधिकारी, मेरठ/समस्त अपर राज्य रेडियो अधिकारी/समस्त सहायक रेडियो अधिकारी/रेडियो निरीक्षक, जनपद/वाहिनी को निर्देशित किया गया है। उक्त पत्र द्वारा रु0 21,20,000.00 का अनुदान पुलिस रेडियो कार्मिकों की मास्क, सेनेटाइज़र, डिस्पोज़ेबल ग्लब्स, टिश्यू पेपर, पेपर स्ट्रिप सोप/सोप, पीपीई किट आदि की आवश्यकताओं हेतु 75 जनपदों, 32 पी0ए0सी0 वाहिनियों एवं रेडियो मुख्यालय को आवंटित करते हुए धनराशि के सदुपयोग हेतु निर्देश दिये गये हैं। साथ ही कोविड 19 की संक्रमणता से बचाव हेतु कतिपय बातों का ध्यान रखने हेतु उल्लेख किया गया है।
- राज्य रेडियो अधिकारी, प्रशासन के ज्ञाप संख्याः एसआरओ(ए)–मिस/2020 दिनांक 23.04.2020 द्वारा रेडियो मुख्यालय एवं जनपद/वाहिनी में नियुक्त रेडियो शाखा के अधिकारियों/कर्मचारियों को चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के परिप्रेक्ष्य में आश्रितों के निर्धारण में कतिपय भ्रांतियों को दूर किये जाने हेतु चिकित्सा अनुभाग–6 के शासनादेश संख्याः 474/पाँच–6–14–1082/87टीसी दिनांक 04.03.2014 के नियम–3, खण्ड–3(च) में परिवार का तात्पर्य के संदर्भ में समुचित व्यवस्था से अवगत कराते हुए तद्नुसार कार्यवाही की अपेक्षा की गयी है।
- उप महानिरीक्षक (दूरसंचार) मुख्यालय के पत्र संख्याः मेमो–जीसी–1/ 2020 दिनांक 21.04.2020 के माध्यम से पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के पत्र संख्याः डीजी–आठ–93(03)–2020–5 दिनांक 20.04.2020 द्वारा कोविड–19 की रोकथाम हेतु अग्रिम पंक्ति में कार्यरत पुलिस कर्मियों की स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विषयक दिये गये दिशा–निर्देश सम्बन्धी कार्यवाही का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु सभी को निर्देशित किया गया है।
- राज्य रेडियो अधिकारी, प्रशासन के पत्र संख्याः मेमो–जीसी–01/2020 दिनांक 17.04.2020 द्वारा अपर पुलिस महानिदेशक, स्थापना के पत्र संख्याः डीजी–चार–स्था0 (विविध)/2018/एसी–5/798 दिनांक 16.04.2020 में पारित निर्देश के अनुसार ऐसे पुलिस कर्मी जो स्थानान्तरण पर कार्यमुक्त होकर ज्वाइनिंग टाइम का उपभोग कर रहे थे, अथवा ऐसे कर्मी जो आकस्मिक अवकाश/उपार्जित अवकाश पर थे, लॉकडाउन के फलस्वरूप आवागमन के साधन उपलब्ध न होने के कारण नवनियुक्ति स्थान/नियुक्ति जनपद में आगमन कराने हेतु नहीं पहुँच पा रहे हैं, को नियुक्ति जनपदों में भेजे जाने सम्बन्धी आवश्यक दिशा–निर्देशों के अनुपालन क्रम में आवश्यक कार्यवाही की अपेक्षा राज्य रेडियो अधिकारी, मेरठ ज़ोन/समस्त ज़ोनल अपर राज्य रेडियो अधिकारी/समस्त सहायक रेडियो अधिकारी, परिक्षेत्र/जनपद/रेडियो निरीक्षक, जनपद/ वाहिनी से की गयी है।

• राज्य रेडियो अधिकारी, प्रशासन के कार्यालय ज्ञाप संख्याः ओएलपी–पीएफ/2020 दिनांक 15.04.2020 द्वारा ऐसे रेडियो कर्मी, जो बाहर रहने की अनुमति प्राप्त कर किराये के मकान में आवासित हैं, के द्वारा अपने स्थानीय निवास के पते में परिवर्तन हेतु प्रार्थना पत्र दिए जा रहे हैं, जिसे उनके पर्यवेक्षक अधिकारियों द्वारा बिना उनके नवीन आवासीय पते को सत्यापित कराये सीधे रेडियो मुख्यालय को अग्रिम आवश्यक कार्यवाही हेतु भेज दिया जाता है। ऐसे आवेदन पत्रों को पर्यवेक्षक अधिकारी द्वारा नवीन पते के भौतिक सत्यापन उपरान्त भेजे जाने की अपेक्षा की गयी है।

कल्याणकारी कार्य

• पुलिस रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र स्थित होम्योपैथिक चिकित्सालय में अप्रैल–2020 में 68 कार्मिकों का उपचार किया गया। चिकित्सक से आवश्यक परामर्श द्वारा दूरभाष भी प्रदान कराया गया।

सेवानिवृत्ति

• उ0प्र0 पुलिस रेडियो से अप्रैल–2020 में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर निम्न 06 अधिकारी सेवानिवृत्त हुए–

1. रेडियो उप निरीक्षक, श्री ओम नारायण श्रीवास्तव, रेडियो मुख्यालय, 2. रेडियो उप निरीक्षक, श्री यमुना प्रसाद पाण्डेय, फतेहपुर, 3. रेडियो उप निरीक्षक, श्री राम सागर सिंह, कौशाम्बी, 4. रेडियो उप निरीक्षक, श्री नुजहत अली सिद्दीकी, मुरादाबाद, 5. रेडियो उप निरीक्षक, श्री नसीम अहमद, रेडियो मुख्यालय, एवं 6. रेडियो उप निरीक्षक, श्री आज्ञा राम यादव, एटा।

सेवानिवृत्त हुए सभी 06 कार्मिकों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गयी।

कार्मिकों हेतु क्विज़

• कोविड–19 के संक्रमण से उत्पन्न परिस्थितियों के परिपेक्ष्य में उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षणरत कार्मिकों के प्रशिक्षण आस्थगित किये गये हैं। सम्पूर्ण भारत में लॉकडाउन के कारण यह कार्मिक प्रशिक्षण हेतु लखनऊ नहीं आ सके हैं। इन कार्मिकों का प्रशिक्षण विषयों पर ज्ञान अद्यावधि रहे इस आशय से सहायक परिचालकों को उनके निवास के जनपद में ही अवकाश समाप्ति पर दिनांक 01.04.2020 को सम्बन्धित रेडियो निरीक्षक (मेरठ/शामली/मैनपुरी/ललितपुर) को रिपोर्ट कराकर जनपद स्तर पर ही तकनीकी, सामान्य अनुशासन एवं दैनिक कार्य सम्पादन सम्बन्धी विषयों पर मार्गदर्शन कराने के लिये साप्ताहिक विवरण भेजे जा रहे हैं तथा जनपदीय रेडियो निरीक्षकों से 15 बिन्दुओं पर Performance evaluation प्राप्त किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को पढ़ाये गये 8 सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों के Revision & Memory retention exercise हेतु 25–25 प्रश्नों के Objective Quiz मोबाइल पर दिनांक 13.04.2020 से भेजे जा रहे हैं जिनके उत्तर अगले सप्ताह भेजे जाते हैं। साथ ही नये सप्ताह में नयी Quiz भी भेजी जा रही हैं। यह प्रक्रिया निर्बाध रुप से जारी है। विशेषतया Quiz ग्रेड–तृतीय कोर्स के Radio theory, Computer theory, Radio procedure, Rules and regulations and PWCC तथा एमटीएच कोर्स के Radio theory, Computer theory and Store keeping & purchase rules विषयों पर आधारित हैं।

तकनीकी

भविष्य की 10 वायरलेस प्रौद्योगिकी

• रोबोट, ड्रोन, सेल्फ–ड्राइविंग वाहन और अगली पीढ़ी के चिकित्सा उपकरणों सहित उभरते तकनीकी उत्पादों और अनुप्रयोगों के लिए वायरलेस तकनीक अत्यन्त महत्वपूर्ण होगी। अर्थात् उत्पाद डिजाइनरों हेतु नये प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कौशल विकास के अवसर हैं। यद्यपि इनमें वायरलेस स्पेक्ट्रम/प्रोटोकॉल /सुरक्षा, आर्किटेक्चर, कम्प्यूटिंग, बिजली की खपत और लागत आदि चुनौतियाँ सन्निहित हैं।

1. **Wi-Fi:** वाई–फाई द्वारा घरों और कार्यालयों के लिए उच्च–प्रदर्शन वाली नेटवर्किंग तकनीक की प्राथमिकता बनी रहेगी।
2. **5G cellular:** 5 जी सेलुलर सिस्टम का प्रथम चरण प्रारम्भ हो गया है परन्तु पूर्णरुपेण लागू होने में 5 से 8 वर्ष का समय लग सकता है। यह विश्वसनीय एवं द्रुत गति का संचार माध्यम होगा और वाहनों के मध्य संचार और ड्रोन कार्यों में उपयोगी होगा। यद्यपि वाई–फाई बड़े भौगोलिक स्थलों जैसे बन्दरगाह, हवाई अड्डों और कारखानों में उच्च गति डेटा नेटवर्किंग के लिए प्रभावी विकल्प के रुप में पूरक के तौर पर कार्य कर सकता है।
3. **Vehicle-to-everything wireless:** वायरलेस प्रणाली पारम्परिक और स्वतः–ड्राइविंग को एक–दूसरे के साथ और सड़क के बुनियादी ढांचे के साथ संचार करने में सक्षम बनायेगी। सूचना, स्थिति के डेटा, सुरक्षा क्षमताओं, नेविगेशन, ड्राइवर की जानकारी, ईंधन की बचत इत्यादि सेवायें भी प्राप्त की जा सकेंगी।
4. **Long-range wireless power:** कई नई प्रौद्योगिकियाँ 1 मीटर या मेज या सतह पर उपकरणों को चार्ज कर सकती हैं। अतः उम्मीद है कि लंबी दूरी की वायरलेस पावर डेस्कटॉप डिवाइस बिजली केबल को समाप्त कर सकेंगी।
5. **Low-power wide-area (LPWA) networks:** यह नेटवर्क लम्बी बैटरी आयु हेतु IoT अनुप्रयोगों के लिए Power efficient और कम बैंडविड्थ कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे।
6. **Wireless sensing:** इस तकनीक का प्रयोग मेडिकल डायग्नोस्टिक्स से लेकर स्मार्ट होम तक कई तरह के अनुप्रयोगों में किया जा सकता है। वायरलेस संकेतों का उपयोग रोबोट और ड्रोन संवेदन उद्देश्यों इत्यादि के लिए किया जा सकता है।

7. Enhanced wireless location tracking: वायरलेस नेटवर्क के साथ स्थान संवेदन के एकीकरण से कम हार्डवेयर लागत और बिजली की बचत जैसे कई लाभों के साथ बेहतर प्रदर्शन और परिशुद्धता प्राप्त की जा सकेगी।

8. Millimeter-wave wireless: तरंग वायरलेस तकनीक 1 से 10 मि.मी. रेंज तरंगधैर्य के साथ 30 से 300 गीगाहर्ट्ज की रेंज में आवृत्तियों पर संचालित होती है। प्रौद्योगिकी का उपयोग वायरलेस सिस्टम जैसे वाई–फाई और 5जी के लिए शॉर्ट–रेंज, हाई–बैंडविड्थ संचार के लिए किया जा सकता है। परन्तु अधिक स्पेक्ट्रम और उच्च बैंडविड्थ की आवश्यकता होगी।

9. Backscatter networking: नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी बहुत कम बिजली की खपत के साथ, छोटे नेटवर्क वाले उपकरणों को लक्षित कर, डेटा भेज सकती है। यह नेटवर्क उन अनुप्रयोगों में उपयोग किया जाएगा जिनमें क्षेत्र में वायरलेस सिग्नल मौजूद होता है और अपेक्षाकृत सरल IoT उपकरणों की आवश्यकता होती है, जैसे कि स्मार्ट घरों और कार्यालयों के सेंसर में।

10. Software-defined radio (SDR): यह उपकरण रेडियो सिग्नल प्रोसेसिंग की हार्डवेयर चिप्स द्वारा वरीयता के स्थान पर सॉफ्टवेयर सिग्नल प्रोसेसिंग पर फोकस करता जिससे उपकरण अधिक रेडियो आवृत्तियों और प्रोटोकॉल पर कार्य कर सके। यह तकनीक कई वर्षों से उपलब्ध है तथा कार्य विशेष को समर्पित चिप्स की तुलना में अधिक महँगी है।

नए प्रोटोकॉल आने के साथ–साथ यह सॉफ्टवेयर अपग्रेड कर अधिक उपयोगी होगी।

कोविड-19 से बचाव के सम्बन्ध में रेडियो मुख्यालय एवं कॉलोनी पर कार्यवाही

● उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो मुख्यालय एवं कॉलोनी परिसर में कोविड–19 के संक्रमण से बचाव हेतु जागरुकता अभियान चलाये गये। इस हेतु सभी मुख्य–मुख्य स्थानों, प्रवेश द्वारों एवं नोटिस बोर्ड पर पोस्टर्स चिपकवाये गये तथा मोबाइल पर सन्देश भी भेजे गये। आरक्षी वाहन चालकों के मोबाइल पर अपर पुलिस महानिदेशक, लॉजिस्टिक, उ0प्र0 द्वारा दिये गये निर्देशों की प्रति भेजी गयी जिसमें वाहनों की नियमित साफ–सफाई व सेनेटाइज़ेशन, व्यक्तिगत साफ–सफाई, सामाजिक दूरी बनाने, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने जैसे सुझाव एवं निर्देश दिये गये हैं जो प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक जीवन हेतु अनुकरणीय हैं।

रेडियो मुख्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को मॉस्क, हैण्ड ग्लब्ज़, साबुन, सेनेटाइज़र्स, इत्यादि पर्याप्त मात्रा में निरन्तर उपलब्ध कराया जा रहा है। रेडियो मुख्यालय एवं कॉलोनी परिसर के सेनेटाइज़ेशन हेतु आवश्यक सामग्रियों एवं मशीनों की क्रय व्यवस्थाएँ करते हुए आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली गयी है तथा कार्यालयों तथा सम्पूर्ण परिसर को नियमित रुप से अधिकारियों/कार्यालयों की उनकी अपनी संतुष्टि के अनुसार सेनेटाइज़ कराया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो कॉलोनी में आवासित परिवारों को कोविड–19 के संक्रमण से सचेत करने हेतु सार्वजनिक उद्घोषणायें करायी गयीं तथा प्रत्येक घर के प्रत्येक सदस्य को मास्क उपलब्ध कराया गया है। कॉलोनी के सभी आवासों की भी नियमित सेनेटाइज़िंग करायी जा रही है। कॉलोनी में बाहरी व्यक्तियों के आवागमन पर कड़ा नियंत्रण लागू है ताकि बाहर से कोई वायरस प्रभावित व्यक्ति कॉलोनी को प्रभावित न कर सके। कॉलोनी में आवासित परिवारों की सुविधा हेतु ब्रेड, दूध, फल एवं सब्जी की व्यवस्था कॉलोनी में ही करायी गयी जिससे स्टाफ को बाहर न जाना पड़े तथा संक्रमण से प्रभावित होने का खतरा कम से कम रहे।

लेखन, सम्पादन एवं डिज़ाइन– श्री सत्य प्रकाश सिंह, उप महानिरीक्षक (पुलिस दूरसंचार) एमसीआर
डिज़ाइन सहयोग–श्री अजय कुमार सोनकर, प्रधान परिचालक।

मुद्रक – शिवा PRESS ☎ 95989 666 88 KAPOORTHALA, LUCKNOW

प्रतियाँ – 300